ऐसा कदम उठाने जा रही है कि बिजली की फिजूल खर्ची जो शादियों में की जाती है उस पर पाबंदी लगे। जहां तक राज्य सरकारों का संबंध है उनको तो वह आदेश दे सकते हैं लेकिन संघ राज्य क्षेत्र जहां केन्द्र का सीधा संबंध है विशेषकर दिल्ली या चंडीगढ़ उनमें तो आप पाबंदी करा सकते हैं कि बिजली ज्यादा न जले।

दूसरा मैं कहना चाहता हूं कि कुछ सामाजिक संगठन, कुछ जातीय संगठन और कुछ धार्मिक संगठन देशव्यापी रूप से इस काम पर लगे हुए हैं कि शादी विवाहों में बरात कम लायी जाये, दहेज कम दिया जाये...(**व्यवधान**) दहेज बंद किया जाये...(**व्यवधान**) यह सब कर रहे हैं। तो इस तरह के संगठनों को प्रोत्साहन देने के लिए और जो इनके विपरीत काम कर रहे हैं उनको दण्ड देने के लिए क्योंकि दो ही व्यवस्थाएं समाज में हो सकती है या तो जो खराब काम करते हैं उनके लिए हमारी दण्ड व्यवस्था मजबूत हो...

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : विकल जी यह तो गेस्ट कंट्रोल आर्डर के बारे में है।

श्री राम चन्द्र विकल : यह इसी से, बिजली से संबंधित है। मैं यह कह रहा हूं कि जो लोग फिजूल खर्ची करते है विशेषकर बिजली की तो इस बिजली की किफायत के लिए कोई ऐसा आदेश दे कि शादियां दिन में हो जाया करें और बिजली की फिजूल खर्च न हो, इस पर पाबन्दी हो।

श्री सुख राम : वैसे तो इसका ताल्लुक इस क्वेश्चन से नहीं है मगर सुझाव अच्छा है कि बिजली का खर्च ज्यादा न हो। सरकार तो पहले ही इस बात में है कि बिजली कन्जर्व होनी चाहिए, बिजली का ज्यादा खर्चा नहीं होना चाहिए। जो आपने स्वयंसेवी संस्थाओं के बारे में जिक्र किया तो ऐसे जो कायदे, कानून हैं उनके जरिये मदद मिलती है मगर बहुत बड़ी मदद मिलती अगर स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस दिशा में काम करें ताकि ज्यादा खर्चा न हो। समाज में इसका बहुत बड़ा प्रभाव होता है।

SHRI SUNIL BASU RAY: In consequence of Mr. Chitta Basu's question, I want to know from the hon. Minister what is the difference between starvation and malnutrition. Were there any deaths at Kalahandi and Koraput in Orissa? What were the reasons for those deaths? Has the Government instituted an inquiry into those deaths?

SHRI SUKH RAM: Sir, I have already answered that I am not aware about the deaths at Kalahandi. So, the question of instituting an inquiry does not arise at all. And the hon. Member should know the difference between starvation and malnutrition. (*Interruptions*).

SHRI SUNIL BASU RAY: You explain... (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Question No. 243.

Loss to Crops and Plants cause by Birds

*243. SHRI R. SAMBASIVA RAO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that ten per cent of the Indian bird species are depredatory to agriculture;

(b) whether it is also a fact that the extent of economic loss caused by birds is very high: and

(c) if so, what steps Government propose to take to reduce the loss to crops and plants due to such bird menace?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURAL RESEARCH AND EDUCATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI HARI KRISHNA SHASTRI): (a) to (c) A Statement is placed on the Table of the Rajya Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir. Nearly 10 per cent of the bird species are presently known to feed on agricultural crops in India. However, only one per cent of these are considered to be the serious depredators and are of concern to us.

(b) At times, birds do cause loss to the crops, mainly to those that are in isolated patches near their breeding places, or to the off-season and late sown crops.

(c) The Government is fully aware of the situation and in order to carry out studies on birds important to agriculture, the Indian Council of Agricultural Research had in 1982 initiated an All India Coordinated Research Project on Economic Ornithology. The major objectives of the project include investigations on birds, pests and their beneficial role in insect pest control. The project has five centrese, *viz.*, Andhra Pradesh Agricultural Univers,ty, Hyderabad; Gujarat Agricultural University, Anand; Rajasthan Agricultural University, Bikaner; Punjab Agricultural University, Ludhiana and Indian Agricultural Research Institute, New Delhi. As a result of these sutdies, effective measures to repel and avoid damage by the birds have been evolved and recommended.

1. Physical and mechanical measures.

2 .Control through Agricultural practices.

3. Use of medicines.

SHRI R. SAMBASIVA RAO: Sir, our country is basically an agricultural country. And you know very well, Sir, an all-out support has to be given to the agricultural community in India. And this House is also aware that recently about 20 farmers have committed suicide in Andhra Pradesh because of white fly disease in Andhra Pradesh for the last three years.

AN HON. MEMBER: White fly?

SHRI R. SAMBASIVA RAO: It is not exactly a bird. That is also a part of it. 20 people have committed suicide because of this. I would like to know from the hon. Minister whether any pesticide or anything has been developed to control this disease. Secondly, what is the total loss caused by birds? Has it been reduced in the last five years?

SHRI HARI KRISHNA SHASTRI: Sir, this question which he has asked about white flies does not pertain to this question. This has been answered earlier by the hon. Minister.

As far as damage caused to the crops by the birds is concerned, it ranges from 'zero' to 'ten' per cent.

SHRI R. SAMBASIVA RAO: Sir, our hon. Minister is also in charge of agrciultural research. I would like to know whether any effort has been made, any development has taken place in the field of scientific research to control this white fly disease.

कृषि मंत्री (श्री भजन लाल) : उपसभाध्यक्ष जी, जैसा कि मंत्री जी ने बताया है, पक्षियों से कोई बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होता है, बल्कि अगर गहराई में आप जाएं तो यह पक्षी ऐसे कीडों को, जो फसल का नुकसान करते हैं, उन कीड़ों को खाते है और उससे उत्पादन बढ़ता है, उत्पादन में कमी का सवाल नहीं। वैसे आंकड़ों से भी कितने परसेंट वह नुकसान करते होंगे, लेकिन अगर मैं फायदा बताऊं तो 25-30 परसेंट तक फायदा इन पक्षियों की वजह से फसल उत्पादन में होता है। बहुत से कीड़े जो फसल की बीमारी फैलाते हैं, यह उनको खाते हैं।

दूसरा जो इन्होंने सवाल किया वह यह था कि इन सब पर क्या अनुसंधान चल रहा है । हमने 1982 में पांच संस्थाएं इसके लिए अलग से खोली है जो इस पर अनुसंधान कर रही हैं कि कौनसे पक्षी मुल्क में फसल का ज्यादा नुकसान करते है और उनकी रोकथाम कैसे की जा सकती है । देश में 2060 किस्म की प्रजातिया है, जिनमें से 154 प्रजातियां थोड़ा सा नुकसान करती है बाकी जितनी प्रजातिया है, वह फसल के फायदे के लिए है ।

तीसरा सवाल जो इन्होंने किया वह यह था कि आंध्र में कुछ लोगों की मौत हो गई वह इसकी वजह से नही हुई कुछ काटन ग्रोअर्स ने आत्म-हत्या की है यह ठीक बात है, क्योंकि दो-तीन साल से सूखा पड़ने की वजह से और गये दो-तीन साल से बीमारी काफी कपास की फसल को लगी और उस बीमारी के लगने की वजह से फसल कम हुई और किसान को नुकसान उठाना पड़ा । आप जानते हैं, उन्होंने लोन ले रखा था ।

साउथ में कुछ प्रथा ऐसी है, उत्तर भारत में यह प्रथा नहीं है, साउथ में ऐसी प्रथा है कि वे अपने गहने गिरवी रखते है बैंक में, और उसके दो कारण हो सकते हैं । एक कारण तो यह हो सकता है कि उनकी जमीन नही होता इसलिए बैंक वाले उनको लोन नही देते होंगे । जमीन का मालिक कोई और है तथा वह सिर्फ मुजारा है । लैंड उसके नाम न होने की वजह से उसको लोन नहीं मिलता होगा । इसलिए वह आभूषण गिरवी रखकर और वहां से कर्ज लेकर आपका काम चलाता है । उप-सभाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि मजबूरी में इंसान अपनी बेटी के गहने भी बैंक मे गिरवी रख सकता है और बेटा जब सुसराल भेजनी होती है तब उसे वे गहने वापस लेकर बेटी को सुसराल भेजना पड़ेगा ।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप थोड़ा सा ब्रीफ में बोलिए ।

श्री भजन लाल : मैं इसिलिए कह रहा था कि थोड़ा सा उनकी समझ में आ जाए । इसलिए जब इतनी कपास फसल खराब हो गई इसलिए कुछ लोगों ने आत्महत्या की है लेकिन हमने बैन लगा दिया कि उनके आभूषण नीलाम नहीं किए जाए और प्रधान मंत्री जी जब आन्ध्र, हैदराबाद में गए थे तो वहां पर जिन लोगो ने आत्म-हत्या की है प्रधान मंत्री जी ने अपने सहायता कोष में से उनकी सहायता करने का वायदा किया है और बहुत जल्दी सहायता की जाएगी ।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : उप-सभाध्यक्ष महोदय, मुझे ऐसा लगता है कि कृषि मंत्रालय और कृषि मंत्रालय का अभी जो अनुसंधान परिषद है उसने भी इस सवाल को ठीक से पढ़ा नही है और जवाब ठीक से नहीं दिया है । बार-बार उन्होंने टिड्डी दल की बात की है । जब वह आक्रमण करता है तो पचासों एकड़ जमीन की फसलों को चट कर जाता है । इन्होंने दो हजार सात प्रकार के कीड़ोंका बताया है । यह ठीक है कि कुछ कीड़े लाभ करते है और कुछ हानि करते हैं । सवाल यहां पर यह है कि जो कीड़े हानि करते है, जो पक्षी हानि करते है । उन पक्षियों को रोकने की क्या व्यवस्था हो रही है ? उदाहरण के लिए मंत्री जी भी समझ लें कि दिल्ली है, दिल्ली में बागवानी मे हम लोग देखते हैं कि ऊपर पैरट है और नीचे रैट है । दोनों मिलकर साग-सब्जी को खत्म कर देते हैं । उसको रोकने की कोई व्यवस्था दिल्ली में भी नही है । इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि चाहे टिड्डी दल का आक्रमण हो, चाहे पक्षियो का और या जो सब से बड़ा नुकसान चूहा करता है खेतों और घरो में ऐसे पक्षियों और कीट-पतंगो से रोकने के लिए किसान के स्तर पर, अनुसंधान के स्तर पर नही, कौन सी व्यवस्था कर दी है या करने जा रहे है या करने का विचार है ?

श्री भजन लाल : उपसभाध्यक्ष महोदय, जैसा इन्होंने कहा कि कुछ घरों मे भी ये पक्षी नुकसान करते हैं और कुछ खेतों मे नुकसान करते हैं, मैंने इस बात के लिए एग्री किया है कि कुछ पक्षी . .

(व्यवधान)

श्री राम अवधेश सिंह : आप बताइये टिड्डी के बारे में ? . . .

(व्यवधान)

श्री भजन लाल : आप सुनिए । आप जैसे काबिल लोगों को तो हरियाणा विधान सभा में जाना चाहिए । . . .

(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप उनको बोलने दीजिए ।

श्री भजन लाल : उपसभाध्यक्ष महोदय, टिड्डी दल एकदम कुछ एरिया में कभी-कभी आता है और वह नुकसान भी करता है ठीक बात है । . . . **(व्यवधान)** आप सुनने की कृपा करिए । तो उसके लिए अनुसंधान करके ऐसे चमकीले तार जिस तरह से ब्यूह-शादियों में देखा होगा शामियाने तानते हैं ऐसे चमकीले तार लगाने की कोशिश की है ताकि जब उनकी आंख में लाइट पड़े तो वे डर कर नुकसान न कर सकें । इसे आपने यदि देखना हो तो पूसा इन्स्टीट्यूट दिल्ली में है कृपा कर आप वहां जाकर देखिए । आप खुद महसूस करेंगे कि उस फसल के नजदीक एक भी टिड्डी या एक भी पक्षी नहीं आता है ।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : अनुसंधान के स्तर पर मत बताइए जो चीज किसान के लिए संभव हो, उस स्तर पर मैंने पूछा है । वह चमकीले तार जो लगे हैं, जो कीमती हैं, वह पूसा इंस्टीट्यूट ही लगा सकता है ।

श्री भजन लाल : उपसभाध्यक्ष महोदय, जहां तक किसान का ताल्लुक है, यादव साहब भी किसान हैं और थोड़ा-बहुत मैं भी हूं । किसान जब खेत में बीज डालता है तो वह सबसे पहले बीज डालते हुए यह कहता है कि इस खेत में जो मैं बीज देने जा रहा हूं इसमें सब से पहले राही का हिस्सा, पशु-पक्षी का भी हिस्सा, पालो का भी हिस्सा, होली का भी हिस्सा, इस तरह से तीस नाम लेकर वह काम स्टार्ट करता है ताकि परमात्मा उनको ज्यादा पैदावार दे और उन पशु-पक्षियों के हिस्से का उत्पादन ज्यादा हो ताकि परमात्मा उनकी भी जिंदगी बरकरार रख सके । अब पक्षियों को इस तरह मार देंगे तो कैसे काम चलेगा और फिर जो संसार में आया है, उसे भी जीने का अधिकार है । इससे फायदा ज्यादा है, नुकसान कम है ।

डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला : वाइस-चेयरमैन साहब, आपने मुझे इजाजत दी साल करने की, मैं सुन रही थी, मैं ज्योलोजिस्ट हूं, इसलिए मैंने सोचा कि यह सवाल आपके सामने रखूं । यहां कन्फ्यूजन हो रहा है बहुत ज्यादा । सवाल था चिड़ियों का, बर्डस का, उससे वाइल्ड-लाइफ पर आया, फिर टिड्डी पर आया . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : और चूहे पर भी आया ।

डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला : हां, और चूहे तक चला गया । यह जो एक सवाल पूछा गया है, उसके लिहाज से यह जो इन्कवायरी की है, उस लिहाज से तो ठीक है । लेकिन यह इन्कवायरी बराबर है क्योंकि फसलों के लिए हम लोगों ने, सरकार ने जो कुछ रिसर्च किया है, वह हमारे किसानों तक पहुंचाना चाहिए । मैं माननीय मंत्री जी से यह बात पूछना चाहूंगी कि चिड़िया को, बर्डस का जो सवाल है, तो कुछ ऐसी चिड़ियां होती हैं जो फायदेमंद होती हैं, पेराडाइज बर्ड केचर जो होती हैं, वह कीड़ों को

पकड़ने के लिए होती है, जैसा मंत्री जी ने कहा । मगर इसके अलावा बर्ड क्रोसिज्म जो होती है, वह खेती की फसल को बढ़ाने के काम आती है । क्या हमारी सरकार कुछ ऐसा काम कर रही है, एक तो वैसे भी आप हमारे एनवायरमेंट के मंत्री रह चुके हैं, इन्हें पता है कि हमारे यहां बहुत सी ऐसी नसल दे में खतम हो रही है चिड़ियों की, हमारे पेड़ों की... (व्यवधान) ...

श्री राम चन्द्र चिकल : हमारे यहां यह भी है कि चिड़िया चुग गई खेत । उसे आप भूल गई ।

डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतेल्ला : बीच में आप मत बोलिए । जब आपका सवाल आएगा तो आप अपना सप्लीमेंटरी पूछ लीजिएगा । यह सीरियस सवाल है, सरकार इस विषय में क्या काम कर रही है, जिससे इस तरह की बर्ड्स, जिनसे कि खेतों को फायदा होता है, उसे बचाने के लिए ? जहां तक टिड्डी दल का सवाल है, उसके लिए सरकार क्या कोई अलग रिसर्च कर रही है तो उसके बारे में भी जो कुछ किया गया है, वह बताने की कृपा करें ।

श्री भजन लाल : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही बताया था कि कुछ पक्षी ऐसे हैं, जो फसलों को बचाने का काम करते है, जैसा बहन जी ने भी बताया । जहां तक उन पक्षियों को बढ़ावा देने की बात है, बड़ा मुश्किल हो जाएगा, बढावा कैसे दे सकते है वह तो कुदरत ही बढ़ावा देगी...

डा (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला : दे सकते है ।

श्री भजन लाल : एक सेकेण्ड, लेकिन इसका बढ़ावा एक तरह से हो सकता है कि जो इन पक्षियों का शिकार करते हैं, इनको मारते हैं, उनसे आमतौर से निवेदन कर सकते हैं कि वे मेहरबानी करके इन पक्षियों को जिंदा रहने दें ताकि फसल उनसे बढ़ा सकें ।... (व्यवधान) ...

दूसरा, जहां तक रिसर्च करने का ताल्लुक है, हमने इसकी पूरी रिसर्च की है और इसके लिए जो भी ठीक बात होगी, वह सरकार करेगी । किसान के हित में सरकार काम करेगी । लेकिन सरकार यह नहीं कर सकती कि उन पक्षियों को मारा जाय, जो फसल खाती हैं, फसल का उससे नुकसान थोड़ा सा होता होगा, लेकिन मैं इस राय का हूं कि इससे नुकसान कम होता है और किसानों का फायदा ज्यादा होता है ।

SHRI VISHWA BANDHU GUPTA: Sir, I thought the question was limited to birds only. I would like to know from the hon. Minister whether he is aware that birds are menace not only to standing crops but also to airplanes. I would like to know whether some action has been taken in this regard.

However, the question which I would like to ask of the hon. Minister is, in view of the Prime Minister's decision to undertake a district-wise survey of agricultural crops, whether birds are also included in this district-wise survey for improvement. I would also like to know whether remote sensing by our satellite which are now able to give a picture of the crops, even district-wise, would be considered for getting more information in regard to birds and crops.

श्री भजन लाल : उपसभाध्यक्ष महोदय, इन्होंने दो बातें कहीं हैं । एक बात यह कही कि कुछ पक्षी हवाई जहाज के एक्सीडेंट्स में भी नुकसान करते हैं । उनके बारे में मेरा इतना ही कहना है कि जो हमारे हवाई अड्डे हैं, उन पर ठीक तरीके से ऐसे इंतजाम करना चाहिए कि वहां

सफाई रहे । वहां जो जानवर मरते है तब जाकर पक्षी वहा पहुंचते है । लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि . . . (व्यवधान)

श्री राम अवधेश सिंह : महोदय, यह क्या जवाब दे रहे हैं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : मैं सुन रहा हूं ।

श्री राम अवधेश सिंह : हवाई जहाज में एअरपोर्ट पर. . . (व्यवधान) . . . वह एअरपोर्ट से दूर पर होता है. . . (व्यवधान) . . .

एक माननीय सदस्य : उपसभाध्यक्ष महोदय, आप इनको समझा दें ।

श्री भजन लाल : महोदय, मै इनके बारे में अटल बिहारी जी से ही कह सकता हूं क्योंकि आजकल अटल जी इनके गुरु हैं । अब वे कितने दिन रहेंगे, यह नहीं कह सकता । दूसरे जहां इन्होंने अनुसधान के बारे में कहा है, मैं बताना चाहता हूं कि 1982 से बाकायदा अनुसंधान परियोजना शुरू की गयी है और इसके लिए 5 केन्द्रों पर काम चल रहा है । ये केन्द्र हैं--(1) आंध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद (2) गुजरात कृषि विश्वविद्यालय, आनद (3) राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर (4) पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना और (5) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली । इन केन्द्रों पर पूरी जांच का काम 1982 मे जारी है । हम सारी बात की तह में जाएंगे कि कौनसा इंतजाम कैसे हो सकता है और जो ठीक बात होगी वह करें गे ।

WELCOME TO PARLIAMENTARY DELEGATION FROM PALESTINE NATIONAL COUNCIL

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Hon. Members, I have an announcement to make.

We have with us this morning, seated in the Special Box, Members of a Parliamentary Delegation from the Palestine National Council which is currently on a visit to our country under the distinguished leadership of His Excellency Sheikh Abdul Hameed El-Sayeh, Speaker of the Palestine National Council. The other members of the delegation are:

1. Mr. Khaled El-Hassan, Chairman of the Parliamentary and Foreign Relations Committee.

2. Mr. Abdul Latif Othman, Member-PNC.

3. Mr. Abdul Rahman Hourani, Member-PNC.

4. Mrs. Intisar Al-Wazir, Member-PNC.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a very hearty welcome to the Leader and other members of the delegation and wish our distinguished guests a very enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during their stay here, they would be able to see and learn more about our Parliamentary system, our country and our people and their visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between us. Through them, we convey our greetings and best wishes to the members of the Palestine National Council and the friendly people of Palestine.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS— *Contd.*

Decline in the Number of Placements for Jobs

*244. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that while the number of job seekers has been